WWF for a living planet®

HSBC Climate Partnership

जीवंत गंगा अभियान

भूमिका

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर की प्रतीक गंगा वस्तुतः में विश्व की प्रमुख नदियों में से एक है। परन्तु इस नदी का आवश्यकता से अधिक शोषण किये जाने के परिणामस्वरूप नदी की पारिस्थितिकी, लोगों के जीवनयापन, जल सुरक्षा तथा उन करोड़ों लोगों को अत्यंत खतरा हो गया है जो इस नदी पर निर्भर हैं। गंगा के ऊपरी हिस्से में अत्यधिक हाइड्रो–पॉवर विकास के कारण बड़े पैमाने पर नदी का पानी मोड़ा गया है। इसके पाट पर बांध तथा बैराज बनाए जा रहे हैं और नदी का अधिकांश पानी सिंचाई के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा इसमें आंशिक और असंशोधित गंदा पानी और जहरीले औद्योगिक पदार्थ डाले जाते हैं, जिससे यह नदी निर्जीव सी हो जाती है।

एचएसबीसी जलवायु भागीदारी

एचएसबीसी जलवायु भागीदारी (एचसीपी) हांगकांग एवं शंघाई बैंकिंग कार्पोरेशन (एचएसबीसी) तथा डब्ल्यूडब्ल्यूएफ, द क्लाइमेट ग्रुप, अर्थवॉच इंस्टीट्यूट एंड स्मिथसोनियन ट्रॉपिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के बीच एक अनूठी 5 वर्ष की भागीदारी (2007–2011) है। मई 2007 में लॉंच की गई यह भागीदारी निम्न वर्णित काम करेगी :

• यह विश्व की चार प्रमुख नदियों – अमेज़न, गंगा, थेम्स तथा यांग्तज़े – को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से सुरक्षित करने में सहायता करेगी, जिससे इन पर निर्भर 45 करोड़ लोगों को फायदा होगा। • विश्व के महान शहरों – हांगकांग, लंदन, मुम्बई, न्यूयार्क तथा शंघाई को स्वच्छ तथा हरा–भरा बनायेंगे, जिन्हें ये भागीदार विश्व में आदर्श शहरों के रूप में पेश करेंगे। • ये विश्वभर में 'जलवायु चैम्पियनों' का सृजन करेंगे जो फील्ड रिसर्च करेंगे तथा अपने अर्जित ज्ञान तथा अनुभव से अपने समुदायों को लाभ पहुंचायेंगे। • ये पर्यावरण में कार्बन की मात्रा तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को मापने के लिए विश्व के जंगलों में अब तक का सबसे बड़ा फील्ड अभ्यास करेंगे।

एचसीपी का इरादा डब्ल्यूडब्ल्यूएफ–इंडिया की ऊपरी गंगा घाटी में जलवायु परिवर्तन पर शोध को समर्थन देने का है जिसमें नदी की बहाली, सामुदायिक शिक्षा तथा उन्हें इसमें शामिल करना, उघोग तथा सरकार को शामिल करना व जैव विविधता संरक्षण परियोजनाओं पर ध्यान देना शामिल है।

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ द्वारा विगत में नदी बहाली में काम

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ एक दशक से भी अधिक समय से भारत में नदी प्रणालियों के संरक्षण और विवेकपूर्ण प्रबंधन में लगा हुआ है, जिसमें इसका मुख्य ध्यान ताजे पानी की जैव प्रणालियों, इनसे जुड़े समुदायों, ताजे पानी में रहने वाले जंतुओं तथा जीवनयापन के लिए जल संसाधनों के संतुलित उपयोग पर होता है। विशेष प्रकार से डब्ल्यूडब्ल्यूएफ अपने डालफिन संरक्षण कार्यक्रम, वेटलैंड संरक्षण कार्यक्रम, नीति मध्यवर्तन तथा शिक्षा एवं जागरूकता अभियानों के जरिए गंगा घाटी में काम करती रही है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ताजे पानी की परितंत्र पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के मूल्यांकन विशेषकर हिमालय की हिम नदियों में भी काम करती रही है। चूंकि ताजे पानी वाली परितंत्र पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव बढ़ा है, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के कार्यक्रम का पैमाना भी बढ़ा है और इसमें नदियों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के हिसाब से स्वयं को अनुकूल एवं प्रबंधित करके इसके असर को कम किया जाता है। विश्वभर में तापमान बढ़ने और जलवायु में परिवर्तन के संभावित परिणामों से उन नदियों को अधिक खतरा हो गया है जो हिम नदियों से निकलती हैं, अतः तदनुसार उनके प्रबंधन की नीतियों में परिवर्तन किया जाता है।

इसे देखते हुए, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ने आदर्श रुप में पूज्य रही गंगा नदी के लिए ***''जीवंत गंगा अभियान''*** नामक एक कार्यक्रम तैयार किया है।

जीवंत गंगा अभियान (2007–2011)

जीवंत गंगा अभियान का उद्देश्य जलवायु में होने वाले परिवर्तनों के परिदृष्य में गंगा घाटी में दीर्घकालीन ऊर्जा और जल संसाधन प्रबंधन हेतु नीतियां बना कर उन्हें कार्यान्वित करना है। इस कार्यक्रम को विशेष रूप से उत्तराखंड में गंगोत्री से लेकर उत्तर प्रदेश में कानपुर तक लगभग 800 किलोमीटर के महत्वपूर्ण भाग के मुख्य स्थलों पर क्रियान्वित किया जाएगा। जीवंत गंगा अभियान में जलवायु के प्रति अनुकूलता, खतरे का मूल्यांकन, पर्यावरण में परिवर्तन तथा जल के आबंटन सहित प्रदूषण न्यूनीकरण तथा जल एवं ऊर्जा का सह–प्रबंधन जैसे विषयों को एक साथ प्रस्तुत किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रमुख भागीदारों के साथ भागीदारी स्थापित करना है, जिसका मुख्य लक्ष्य नदी की बहाली, सामुदायिक शिक्षा और उन्हें इस काम में शामिल करना, व्यावसायिक तथा सरकारी सम्मिलन और विविध जीवों का संरक्षण करना है। इस कार्यक्रम के 6 प्रमुख कार्य घटक हैं :

- संवृद्धिपूर्ण जल प्रबंधन
- जल–ऊर्जा सह–प्रबंधन
- जलवायु अनुकूलन
- संवृद्धिपूर्ण हाइड्रोपावर
- प्रदूषण न्यूनीकरण
- संसूचना एवं व्यापार संविदा

कार्यक्रम के भागीदार

जीवंत गंगा अभियान की एक विस्तृत सामरिक नीति तैयार करने में एक साथ जुटे भागीदार में निम्न शामिल हैं:

कानपुर नगर निगम

I.C.L.E.I Local Governments for Sustainability

PEOPLES' SCIENCE INSTITUTE PSI

IWMI International Water Management Institute

ECO Friends

अधिक जानकारी के लिए, कृप्या सम्पर्क कीजिए :

जीवंत गंगा अभियान
WWF-इण्डिया सेक्रेटरिएट,
172-बी, लोधी एस्टेट,
नई दिल्ली - 110003
फोन: 011-4150-4770

कानपुर फील्ड ऑफिस:
फ्लेट नं. 401, 2ए/200,
श्री गणेश अपार्टमेंट्स,
आज़ाद नगर,
कानपुर - 208002 (उ.प्र.)
टेलीफैक्स: 0512-256 3008

ई-मेल: livingganga@wwfindia.net
वेबसाइट: www.wwfindia.org/livingganga

जीवंत गंगा के लिए